संवधािन दविस: 26 नवंबर

प्रलिम्सि के लयिे:

संवधािन दविस, आज़ादी का अमृत महोत्सव, राष्ट्रीय कानून दविस

मेन्स के लयिे:

संवधािन दविस का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने पर '**आज़ादी का अमृत महोत्सव**' समारोह के एक भाग के रूप में 'संवधािन दविस' की पूर्व संध्या पर कानून और न्याय मंत्रालय ने 'भारतीय संवधािन पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम' शुरू कयिा।

- ऑनलाइन पाठ्यक्रम का उद्देश्य मौलकि अधकिारों और कर्तव्यों की समझ वकिसति करने के लयिे संवैधानकि मूल्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।
- यह नागरकिों को गौरवशाली संवैधानकि यात्रा से परचिति कराने और जीवन के अधकिार, व्यक्तगित स्वतंत्रता एवं गोपनीयता के मुद्दों सहति देश के सर्वोच्च कानून को समझने में भी मदद करेगा।

प्रमुख बदिु

- **परचिय:**
  - यह हर वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है।
  - इसे राष्ट्रीय कानून दविस के रूप में भी जाना जाता है।
  - इस दनि वर्ष 1949 में भारत की संवधािन सभा ने औपचारकि रूप से भारत के संवधािन को अपनाया जो 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ।
  - 19 नवंबर, 2015 को सामाजकि न्याय और अधकिारति मंत्रालय ने 26 नवंबर को 'संवधािन दविस' के रूप में मनाने के भारत सरकार के नरि्णय को अधसिूचति कयिा।
- **संवधािन का नरि्माण:**
  - वर्ष 1934 में एम.एन. रॉय ने पहली बार संवधािन सभा के वचिार का प्रस्ताव रखा।
  - वर्ष 1946 में कैबनिेट मशिन योजना के तहत संवधािन सभा के गठन के लयिे चुनाव हुए।
  - भारत के संवधािन का नरि्माण संवधािन सभा द्वारा कयिा गया। भारत की संवधािन सभा ने संवधािन के नरि्माण से संबंधति वभिन्नि कार्यों से नपिटने के लयिे कुल 13 समतियिों का गठन कयिा।
  - इनमें 8 प्रमुख समतियिाँ थीं और शेष छोटी थीं। प्रमुख समतियिों और उनके प्रमुखों की सूची नीचे दी गई है:
    - मसौदा समति- बी.आर. अंबेडकर
    - संघ शक्त समति- जवाहरलाल नेहरू
    - केंद्रीय संवधािन समति- जवाहरलाल नेहरू
    - प्रांतीय संवधािन समति- वल्लभभाई पटेल
    - मौलकि अधकिारों, अल्पसंख्यकों और जनजातीय तथा बहष्कृित क्षेत्रों पर सलाहकार समति- वल्लभभाई पटेल।
    - प्रक्रयिा समति के नयिम- राजेंद्र प्रसाद
    - राज्य समति (राज्यों के साथ बातचीत के लयिे समति)- जवाहरलाल नेहरू
    - संचालन समति- राजेंद्र प्रसाद
- **भारत के संवधािन के बारे में तथ्य:**
  - दुनयिा का सबसे वस्तित संवधािन।
  - एकात्मक वशिेषताओं के साथ संघीय प्रणाली।
  - सरकार का संसदीय स्वरूप।
  - [illegible]खति हैं और अब उन्हें संसद के पुस्तकालय में हीलयिम में रखा गया है। प्रेम बहिारी नारायण रायज़ादा ने भारत की संरचना की अनूठी प्रतयिाँ लखिी थीं।

- मूल रूप से भारत का संविधान अंग्रेज़ी और हिंदी में लिखा गया था।
- भारतीय संविधान की मूल संरचना भारत सरकार अधिनियम, 1935 पर आधारित है।
- भारत के संविधान में कई देशों के संविधान की विशेषताओं को अपनाया गया है।

Indian Constitution Borrowed Features

1.	British Constitution	Parliamentary form of Government, Rule of Law, Law making procedure, Single Citizenship; Institution of Speaker, doctrine of pleasure tenure of civil servants.
2.	American Constitution	Judicial System, Fundamental Rights
3.	Canadian Constitution	Federal System with a strong central authority; Residual powers, Centre State Relation.
4.	Irish Constitution	Directive Principles, Election of the President of India
5.	Australian Constitution	Concurrent list; Freedom of Trade & Service within country
6.	Weimar Constitution	Emergency Provision
7.	Soviet Constitution	Five Year Plans; Fundamental duties
8.	Govt of India Act 1935	Office of the governor, powers of the federal jury.
9.	South African	Amendment of Constitution.

//

अन्य संबंधित स्मरणीय जानकारी:

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना
- भारतीय संविधान के महत्त्वपूर्ण लेख (भाग I और II)
- मौलिक अधिकार
- राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
- संसद
- प्रमुख संवैधानिक संशोधन
- **आपातकालीन प्रावधान**

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/constitution-day-26th-november